भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
27.11.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 391 का उत्तर

लखनऊ - दिल्ली - कोलकाता के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस

391. श्री वीरेन्द्र सिंह:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में ऐसे कितने जिला मुख्यालय हैं जो रेल लाइनों से जुड़े हुए हैं परन्तु उन जिला मुख्यालयों से कोई बड़ी रेलगाड़ी नहीं चलाई जा रही है;

(ख) क्या सरकार का विचार उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में चंदौली (मझवार) स्टेशन, जो लगभग 27 वर्षों से जिला मुख्यालय है, के रास्ते लखनऊ से दिल्ली और कोलकाता तक वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी अच्छी सुविधाओं वाली कोई रेलगाड़ी चलाने का है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): चूंकि रेल नेटवर्क राज्य और जिले की सीमाओं के आर-पार फैला होता है, गाड़ियों को नेटवर्क आवश्यकताओं के अनुसार सीमाओं के आर-पार शुरू किया जाता है। चंदौली मझवार पंडित दीन दयाल उपाध्याय स्टेशन से 16 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जो दिल्ली क्षेत्र और कोलकाता क्षेत्र दोनों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, लखनऊ-दिल्ली सेक्टर 54 जोड़ी नियमित मेल/एक्सप्रेस गाड़ी सेवाओं द्वारा सेवित किया जा रहा है और 12 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों द्वारा सेवित किया जा रहा है, जबकि, लखनऊ कोलकाता से 14 जोड़ी मेल/एक्सप्रेस गाड़ी सेवाओं और 01 जोड़ी स्पेशल ट्रेन सेवा द्वारा जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, वंदे भारत सेवाओं सहित गाड़ी सेवाओं की शुरूआत, यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधन उपलब्धता आदि के अध्यधीन भारतीय रेल की सतत् प्रक्रिया है।

*****